MHNSC-3.1

Sl. No.

III Semester M.A. Degree Examination, May/ June- 2026

HINDI

Vishesh Kavi Surdas

(विशेष कवि सूरदास)

(CBCS SLM Scheme)

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 80**

Instructions to Candidates :

All Sections are Compulsory.

SECTION - A

I. किन्हीं चार की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **(4×5=20)**

1. हरि गोकुल की प्रीति चलाई।
सुनहु उपँगसुत मोहिं न बिसरत ब्रजबासी सुखदाई।।
यह चित होत जाऊँ मैं अबहीं, यहाँ नदी मन लागत।
गोप सुग्वाल गाय बन चारत अति दुख पायो त्यागत।।
कहँ माखन चोरी? कह जसुमति 'पुत जेव' करि प्रेम।
सूर स्याम के बचन सहित सुनि ब्यापत अपन नेम।।

2. उद्धव! यह मन निश्चय जानो।
मन क्रम बच मैं तुम्हें पठावत ब्रज को तुरत पलानो।।
पूरन ब्रह्म, सकल अबिनासी ताके तुम हौ ज्ञाता।
रेख न रूप, जाति, कुल नाहीं जाके नहिं पितु माता।।
यह मत दै गोपिन कहँ आवहु बिरह–नदी में भासति।
सूर तुरत यह जाय कहौ तुम ब्रह्मा बिना नहिं आसति।।

3. उद्धव मन अभिलाष बढायौ।
जदुपति जोग जानि जिय साँचो नयन अकास चढायो।।
नारिन पै मोको पठवत हौ कहत सिखावन जोग।
मन ही मन अब करत प्रसंसा यह मिथ्या सुख–भोग।।
आयसु मानि लियो सिर ऊपर प्रभु–आज्ञा परमान।
सूरदास प्रभु पठवत गोकुल में क्यों कहौं कि आन।

[P.T.O.

4. कोऊ आवत है तन स्याम।
वैसेइ पट, वैसिय रथ–बैठनि, वैसिय है उर दाम।।
जैसी हुतिं उठि तैंसिय दौरीं छाँडि सकल ग्रह– काम।
रोम पुलक,गदगद भई तिहि छन सोचि अंग अभिराम।।
इतनी कहत आय गए ऊधो, रहीं ठगी तिहि ठाम।
सूरदास प्रभु ह्याँ क्यो आवैं बंधे कुब्जा रस स्याम।।

5. हम तो नन्दघोस की बासी।
नाम गुपाल–जाति कुल गोपहि, गोप–गुपाल–उपासी।।
गिरवरधारी गोधन चारी, बृन्दावन– अभिलाषी।
राजा नंद जसोदा रानी जलादि नदी जमुना सी।।
प्रान हमारे परम मनोहर कमलनयन सुखरासी।
सूरदास प्रभु कहौ कहाँ, लौं अष्ट महासिधि दासी।।

6. सखा? सुनो मेरी इक बात।
यह लतागन संग गोपिन सुधि करत पछितात।।
कहाँ वह वृषभानुतनया परम सुंदर गात।।
सुरति आरा रासरस की अधिक जिय अकुलात।।
सदा हित यह रहत नाहीं सफल मिथ्याजात।
सूर प्रभु यह सुनौ मोसों एक ही सौ नात।।

SECTION - B

II. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(3×10=30)**

7. सूर की गीतिशैली पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

8. भ्रमरगीत परंपरा में सूरदास का स्थान निर्धारित कीजिए।

9. सूर के प्रकृति वर्णन पर एक लेख लिखिए।

10. सूरदास की प्रमुख रचनाओं पर एक लेख लिखिए।

11. सूरदास की भक्ति भावना पर प्रकाश डालिए।

SECTION - C

III. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(2×15=30)**

12. भ्रमरगीत परंपरा में सूरदास का स्थान निर्धारित कीजिए।

13. सूरदास को कृष्ण की विशेषताएँ बताते हुए उसकी लीलाओं का वर्णन कीजिए।

14. उद्धव–गोपी संवाद को भ्रमरगीत नाम क्यों दिया गया है? भागवत की तुलना में सूरदास के भ्रमरगीत का स्थान निर्धारित कीजिए।

15. सिद्ध कीजिए कि, सूरदास के भ्रमरगीत में भाव और कला पक्ष का सुंदर सामंजस्य है।